प्रस्तुति– डॉ० साक्षी शालिनी
असिस्टेंट प्रोफेसर (हिन्दी)
धर्म समाज संस्कृत महाविद्यालय, मुजफ्फरपुर
(कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा)
कक्षा– उपशास्त्री द्वितीय खंड (हिन्दी) के विद्यार्थियों के लिए मूल पाठ प्रेषित किया जा रहा है।

अधिनायक

राष्ट्रगीत में भला कौन वह
भारत-भाग्य-विधाता है
फटा सुथन्ना पहने जिसका
गुन हरचरना गाता है ।

मखमल टमटम बल्लम तुरही
पगड़ी छत्र चँवर के साथ
तोप छुड़ाकर ढोल बजाकर
जय-जय कौन कराता है ।

पूरब-पश्चिम से आते हैं
नंगे-बूचे नरकंकाल
सिंहासन पर बैठा, उनके
तमगे कौन लगाता है ।

कौन-कौन है वह जन-गण-मन-
अधिनायक वह महाबली
डरा हुआ मन बेमन जिसका
बाजा रोज बजाता है ।